सत्यमेव जयते

रोज़गार समाचार

www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

साप्ताहिक

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
(वार्षिक शुल्क : ₹ 350)

खण्ड 37 अंक 40 पृष्ठ 32 | नई दिल्ली 5 -11 जनवरी 2013 | ₹ 8.00

रोज़गार सारांश

दामोदर घाटी निगम

● दामोदर घाटी निगम को 95 अधिशासी अभियंताओं और वरिष्ठ संभागीय अभियंताओं की आवश्यकता है .
अंतिम तारीख 28.01.2013

बैंक

● इलाहाबाद उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक को 57 अधिकारी स्केल-1 की आवश्यकता है ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख: 08.01.2013

● सरगुजा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक छत्तीसगढ़ को 33 अधिकारी स्केल -II, अधिकारी स्केल -I और कार्यालय सहायक (बहुउद्देश्यीय)
अंतिम तारीख 18.01.2013

भा.वा.से.

● भारतीय वायुसेना द्वारा विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत 45 रिक्तियों के लिए आवेदन आमंत्रित.
अंतिम तारीख : रोज़गार समाचार में इस विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 21वें दिन पड़ने वाली तारीख.

के.औ.सु.ब.

● केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वारा 19 सहायक उप निरीक्षक (फिटर/मोटर मैकेनिक/ऑटो इलेक्ट्रिशियन) की भर्ती
अंतिम तारीख 05.02.2013

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग (विशेष आर्थिक क्षेत्र अनुभाग), नई दिल्ली को 14 विकासायुक्त, संयुक्त विकासायुक्त और उप विकासायुक्त की आवश्यकता .
अंतिम तारीख: 28.02.2013

बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, सशस्त्र सेनाओं, रेलवे और अन्य सरकारी विभागों की अन्य रिक्तियों के लिए अंदर के पृष्ठ देखें.

कौशल प्रशिक्षण के जरिए ग्रामीण युवाओं का सशक्तिकरण

-संजय चित्तौड़ा और अनुपमा शर्मा

भारतीय श्रम बाजार की एक प्रमुख विशेषता यह है कि उसमें असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्र का व्यापक योगदान है. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) के अनुसार देश के कुल श्रमिकों में करीब 42 प्रतिशत लोग वर्तमान में असंगठित क्षेत्र में नियोजित हैं. अगले दशक में यह संख्या बढ़ कर 94 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है. कृषि, निर्माण, विनिर्माण, आवभगत, परिवहन और वेयरहाउस जैसे क्षेत्रों में अक्सर श्रमिक कम कौशल या बिना किसी कौशल के प्रवेश करते हैं. उद्योग जगत में सेवाकालीन कौशल उन्नयन के अवसर प्राप्त नहीं होते. गिने-चुने श्रमिकों को कौशल हासिल करने और आगे बढ़ने के अवसर मिल पाते हैं जबकि अधिसंख्यक श्रमिक तब तक अकुशल बने रहते हैं, जब तक कि सस्ते श्रमिकों का नया बैच आकर उनका स्थान नहीं ले लेता. ऐसे में श्रमिक अपना क्षेत्र बदलने या कम कौशल के साथ काम जारी रखने के लिए मजबूर हो जाते हैं और नतीजतन उन्हें कम दिहाड़ी वाले रोजगार में बने रहना पड़ता है. इस स्थिति से हमारी आबादी के महत्वपूर्ण हिस्से यानी युवाओं के बड़ी संख्या में बेरोजगार रहने और श्रमिकों के बड़ी संख्या में रोजगार के लिए अनुपयुक्त रहने का खतरा बढ़ जाता है.

असंगठित श्रमिकों में बड़ा हिस्सा प्रवासी मजदूरों का है. कृषकों में असंतोष, प्राकृतिक आपदाएं, गरीबी और बेरोजगारी के कारण अप्रत्याशित रूप में ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों अथवा खुशहाल ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों का पलायन हो रहा है. असंगठित - अकुशल श्रमिकों की आबादी में राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा जैसे कम प्रति व्यक्ति आय वाले राज्यों का योगदान बढ़ता जा रहा है. नियोक्ता प्रवासी श्रमिकों को वरीयता देते हैं क्योंकि वे लंबे समय तक और कम दिहाड़ी पर काम करने के लिए उपलब्ध रहते हैं. ऐसे श्रमिकों के लिए सरकार या श्रम संगठनों से किसी प्रकार की सहायता का अभाव होने के कारण उन्हें हमेशा नौकरी से निकाले जाने का भय दिखाया जाता है. राज्य की लोकप्रिय सेवाओं तक श्रमिकों की पहुंच सीमित होती है और उन्हें वोट देने का अधिकार न होने के कारण स्थानीय शासन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं होता.

उदयपुर स्थित एक स्वयंसेवी संगठन 'आजीविका ब्यूरो', जो दक्षिणी राजस्थान क्षेत्र में कार्यरत है, की स्थापना उन प्रवासी श्रमिकों को समाधान, सेवाएं और सुरक्षा प्रदान करने के लिए की गई है जो अपने गांव छोड़ कर शहरों, फैक्टरियों और फार्मों में काम की तलाश में आते हैं. ब्यूरो द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सबसे महत्वपूर्ण है कौशल प्रशिक्षण, जिसमें क्षेत्र के कम पढ़े लिखे जनजातीय युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है. कौशल प्रशिक्षण और नियुक्ति संबंधी ब्यूरो के कार्य स्टेप एकेडमी के अंतर्गत संचालित हैं, जो ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित करने और रोजगार के विकल्प उपलब्ध कराने के प्रति समर्पित हैं. आजीविका ब्यूरो का विश्वास है कि प्रवासी श्रमिकों की कमजोरी दूर करने और उनकी जीविका के विकल्पों को अधिक सशक्त बनाने के लिए सबसे उत्कृष्ट तरीका यह है कि सुदृढ़ कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके उनका सशक्तिकरण किया जाए और उन्हें अधिक स्थिर एवं आकर्षक रोजगार के अवसरों के साथ जोड़ा जाए.

चुनौतियां

हालांकि कौशल प्रशिक्षण के जरिए श्रमिकों को तत्काल लाभ पहुंचाया जा सकता है, लेकिन यह एक ऐसा उपाय है, जिसमें व्यापक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. ब्यूरो द्वारा विकसित स्टेप एकेडमी ने इन चुनौतियों को भली भांति समझा है और उनका समाधान करने के लिए कई उपाय किए हैं.

रोजगार के बाजार में प्रवेश करने के बाद युवा श्रमिकों को कौशल सीखने का अवसर प्रदान करने में सबसे गंभीर चुनौती यह है कि उनके लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु दिहाड़ी का त्याग करना अत्यंत कठिन होता है. प्रशिक्षण में बिताए गए प्रत्येक दिन के लिए उन्हें अपनी आमदनी छोड़नी पड़ती है. उनकी सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति को देखते हुए, जिसमें उन्हें कम आयु में अपने परिवार के लिए व्यवस्था करनी होती है, दिहाड़ी का लालच छोड़ना आसान काम नहीं है. श्रमिकों के लिए कार्य दिवस छोड़ कर अलग स्थान पर प्रशिक्षण प्राप्त करना कठिन हो जाता है.

निर्धनता से ग्रस्त अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका के लिए प्रवास कम आयु (14-16 वर्ष) में ही शुरू हो जाता है और इससे बड़ी संख्या में युवा प्रशिक्षण की उपयुक्त आयु के क्षेत्र से बाहर हो जाते हैं. कम आयु में प्रवास का युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिससे युवा ये मानने लगते हैं कि वे वास्तव में कुछ नया नहीं सीख सकते और निचले स्तर पर बने रहना उनकी नियति है. युवा प्रवासी श्रमिकों में शिक्षा का निम्न स्तर उनकी तरक्की के मार्ग में रुकावट बनता है और रोजगार के बाजार में उनका विश्वास कमजोर होता है. अकुशल होने के कारण उनकी आय अपेक्षाकृत कम आयु में ही स्थिर हो जाती है और इससे नया सीखने अथवा अपनी प्रतिभा का विकास करने के प्रति अरुचि बढ़ जाती है. कम आयु में प्रवास, कौशल के अभाव और निरंतर कम पारिश्रमिक की समस्या का सामना सबसे अधिक जनजातीय पृष्ठभूमि वाले श्रमिकों को करना पड़ रहा है.

यह एक दुर्भाग्यपूर्ण विडम्बना है कि श्रम बाजार को प्रशिक्षित कार्मिकों की आवश्यकता है, लेकिन वह कौशल प्राप्त करने के लिए लगाए गए समय और प्रयासों हेतु समुचित क्षतिपूर्ति नहीं करता. श्रम बाजार प्रशिक्षित श्रमिकों की भर्ती के प्रति दुष्कर है, इसलिए वह उन्हें अपना रोजगार छोड़ने के लिए भी हतोत्साहित करता है, भले ही वे अकुशल और अस्थिर हों. उदाहरण के तौर पर एक नव प्रशिक्षित प्लम्बर द्वारा प्रशिक्षार्थी के तौर पर 120 रुपये प्रति दिन अर्जित करने की संभावना होती है; इलेक्ट्रीशियन का पारिश्रमिक भी शुरू में करीब इतना ही होता है और भर्ती के स्तर पर होटल श्रमिक को करीब साल भर प्रशिक्षार्थी के तौर पर काम करने की संभावना रहती है. दूसरी तरफअकुशल निर्माण श्रमिक द्वारा कम से कम 150/- रुपये प्रति दिन अर्जित करने की संभावना रहती है. इस तरह प्रशिक्षित श्रमिक द्वारा अप्रशिक्षित श्रमिकों की तुलना में कम दिहाड़ी पर शुरुआत की जाती है. कौशल का लाभ उस बिंदु पर मिलना शुरू होता है जब वे बाजार में अपना कौशल प्रमाणित करते हैं. बाजार की ऐसी स्थितियों में ग्रामीण युवा को इस बात के लिए राजी करना कठिन हो जाता है कि कौशल के उन्नयन के लिए एक साल या अधिक समय बिताना उनके लिए लाभकारी होगा.

निर्माण क्षेत्र के अलावा लघु विनिर्माण, खनन, सिर पर सामान ढोना और परिवहन जैसे क्षेत्र भी अकुशल श्रमिकों को नियोजित करते हैं, जहां उन्हें जोखिमपूर्ण कार्य स्थितियों का सामना करना पड़ता है और वे निरंतर दुर्व्यवहार के अधीन रहते हैं. उनके कार्य और जीवन स्थितियों में सुधार के लिए यह महत्वपूर्ण है कि अन्य क्षेत्रों या कौशलों में उनके नियोजन में विविधता लाई जाए. किंतु अत्यंत असुरक्षित और जोखिमपूर्ण कार्यों में नियोजित अनेक श्रमिकों के लिए उस स्थिति में अधिक स्थिर व्यवसायों में जाना कठिन हो जाता है जब इसके लिए उन्हें अपने घर से और अधिक दूरी पर जाना हो या अधिक तामझाम की आवश्यकता हो. परिवार की निर्धन स्थितियां और बार बार बीमार होने, सांस्कृतिक परंपराएं और अज्ञात का भय जैसी स्थितियां युवाओं को अधिक लंबी अवधि के लिए बाहर जाने से रोकती हैं. इससे दुष्कर और निचले स्तर के व्यवसायों से बदलाव में रुकावट आती है.

ज्यादातर मामलों में ग्रामीण युवाओं को उभरते हुए कौशल और आकर्षक रोजगार के अवसरों की जानकारी, सूचना या उनसे परिचय नहीं होता. बेहतर परामर्श और मार्गदर्शन तक उनकी पहुंच न के बराबर होती है, जिससे श्रम बाजार में दीर्घ अवधि की सफलता के लिए अनुकूल निर्णय करने में उनकी मदद नहीं हो पाती. उनमें अभिव्यक्ति का विश्वास, अधिकारों के प्रति जागरुकता, समझौता और मोल भाव करने का कौशल आमतौर पर कम होने से ग्रामीण श्रमिकों की प्रगति में बड़ी चुनौतियां सामने आती हैं.

एक उपयुक्त समाधान

स्टेप एकेडमी के जरिए आजीविका ब्यूरो निर्माण, आवभगत, हल्की इंजीनियरी और अन्य सेवाओं से संबंधित विभिन्न कौशलों में एक महीने के गहन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करता है. स्टेप एकेडमी व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए तकनीकी और जीवन कौशल प्रशिक्षण को एक साथ जोड़ती है. ऊपर वर्णित चुनौतियों के बावजूद ब्यूरो ने युवाओं को प्लम्बिंग, होटल और आवभगत तथा हाउस वायरिंग, मोटर ड्राइविंग, मोबाइल मरम्मत और ऐसे ही अन्य व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदान किया है. पिछले 6 वर्षों में स्टेप एकेडमी ने युवाओं को विभिन्न व्यावसायिक कौशलों का प्रशिक्षण दिया है और रोजगार दिलाने में उनकी मदद की है. प्रदान किए गए प्रशिक्षण की बदौलत प्रशिक्षित युवा बेहतर रोजगारों में प्रवेश करने और उनके लिए मोलभाव करने में सक्षम हुए हैं. इस एक महीने की अवधि के दौरान जीवन कौशल प्रशिक्षण से प्रशिक्षार्थियों को कार्य स्थल की जरूरतों को अधिक कारगर ढंग से और विश्वास एवं उद्यमशीलता के साथ पूरा करने में मदद मिली है. प्रशिक्षणों को प्रतिभागियों के लिए अधिक प्रासंगिक, व्यावहारिक और रुचिकर बनाने हेतु निरंतर प्रयास किया जाता है, ताकि उनकी भागीदारी बनी रहे और वे प्रशिक्षण के बाद अपने ज्ञान का इस्तेमाल भली-भांति कर सकें.

शेष पृष्ठ 32 पर

महत्वपूर्ण सूचना

नई दरें

एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ में प्रकाशित विज्ञापनों के लिए डीएवीपी की दरें जनवरी 2013 से संशोधित कर रु.160.03 प्रति वर्ग सें.मी. कर दी गई हैं. सभी विज्ञापनदाताओं से अनुरोध है कि वे इस नोटिस पर ध्यान दें और तदनुरूप भुगतान करें.

जम्मू-कश्मीर पर ध्यान केंद्रित

देश में पिछले एक दशक में उच्च आर्थिक विकास की बदौलत शिक्षित युवाओं के लिए देश के प्रमुख शहरों और द्वितीय स्तर के शहरों में रोज़गार के व्यापक अवसर सृजित हुए हैं. जम्मू-कश्मीर राज्य में भी उच्च आर्थिक विकास हुआ है किंतु यह विकास आबादी, विशेषकर राज्य के युवाओं की आकांक्षाएं पूरी नहीं कर पाया है. जम्मू-कश्मीर के युवाओं के लिए रोज़गार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए रोज़गार समाचार फरवरी/मार्च 2013 में जम्मू-कश्मीर के माननीय मुख्यमंत्री श्री उमर अब्दुल्ला के संदेश के साथ एक विशेष शृंखला शुरू कर रहा है. इस शृंखला के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर में रोजगार के अवसर सृजित करने के बारे में सुझाव देने के लिए बनाई गई रंगराजन समिति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. इसमें **उड़ान** के बारे में लेख भी शामिल होंगे, जो राज्य में बेरोजगारों के लिए शुरू की गई एक बेजोड़ परियोजना है. शृंखला के अंतर्गत पर्यटन, आवभगत, हस्तशिल्प, सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं और बीपीओ जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा कौशल उन्नयन संबंधी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की भी जानकारी दी जाएगी.

(मुख्य संपादक)

कौशल प्रशिक्षण .....

(पृष्ठ 1 का शेष)

ग्रामीण प्रवासियों, विशेषकर युवा श्रमिकों की सहायता के लिए बाजार के नए क्षेत्रों/अधिक प्रशिक्षित कार्मिक उपलब्ध कराने के लिए स्टेप एकेडमी व्यावसायिक प्रशिक्षण और विभिन्न कौशलों के उन्नयन पाठ्यक्रमों का संचालन अकादमी करती है. एकेडमी ने ऐसे लोगों को ध्यान में रख कर विशेष पाठ्यक्रम और माड्यूल तैयार किए हैं, जो दीर्घावधि के प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त समय नहीं दे सकते और अपने अर्जन में व्यवधान सहन नहीं कर सकते. ब्यूरो के क्षेत्रीय केंद्रों और उसकी भागीदार एजेंसियों द्वारा पहचान किए गए ग्रामीण युवाओं को काम करके सीखने के अवसर प्रदान किए जाते हैं. ब्यूरो के सभी फील्ड सेंटरों पर प्रशिक्षणों का संचालन किया जाता है और अक्सर अन्य प्रशिक्षण संस्थानों, जिनके पास बुनियादी ढांचा और युवा प्रशिक्षार्थियों के इस बेजोड़ समूह के लिए उपयुक्त विशेषज्ञता है, के साथ मिल कर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. स्टेप एकेडमी में निम्नांकित कौशलों में प्रशिक्षण की सुविधा है-

निर्माण

प्लम्बिंग
हाउस वायरिंग
मार्बल और टाइल फिटिंग

हल्की इंजीनियरी

मोटर वाइंडिंग
घरेलू उपकरण मरम्मत
मोबाइल मरम्मत

आवभगत एवं होटल सेवाएं

हाउस कीपिंग
खान-पान
खाना-पकाना

सुदृढ़ तकनीकी प्रशिक्षण स्टेप एकेडमी के कार्य का आधार है, साथ ही प्रशिक्षार्थी युवाओं में सकारात्मक मूल्यों, नेतृत्व, जीवन कौशल और उनकी आकांक्षाओं के विकास पर भी पर्याप्त बल दिया जाता है. आवासीय पाठ्यक्रमों में अनुभव आधारित विविधता होती है, जिससे युवाओं में जिज्ञासा, रचनात्मकता, टीम कार्य/और विश्वास एवं अभिव्यक्ति कौशल बढ़ाने में मदद मिलती है. स्टेप एकेडमी में बिताए जाने वाले समय का लक्ष्य युवाओं को बेहतर श्रमिक और उद्यमी बनने में मदद करना है.

स्टेप एकेडमी रोजगार, रिक्तियों और अवसरों के बारे में नियमित रूप से जानकारी संकलित और उसे अपने ग्राहकों के बीच संप्रेषित करने के लिए एक मंच के रूप में काम करती है. यह निरंतर बाजार का अध्ययन करती है और बड़ी संख्या में विभिन्न पदों के लिए कार्मिकों की तलाश करने वाले नियोक्ताओं से संपर्क करती है. रोजगार प्रस्ताव और कार्य स्थितियां उपयुक्त समझे जाने पर स्टेप उस जानकारी को आजीविका ब्यूरो की क्षेत्रीय टीमों के जरिए प्रचालन क्षेत्रों में संप्रेषित कराता है. स्टेप टीम युवाओं को उपयुक्त कैरिअर प्रशिक्षण के विकल्पों के बारे में परामर्श भी प्रदान करती है. स्टेप के लगभग सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण पूरा करने के बाद एक बार नियुक्ति का अवसर प्रदान किया जाता है. उन्हें रोजगार से हटाए जाने या स्वयं प्रशिक्षार्थियों द्वारा काम छोड़ देने की स्थिति में उन्हें अतिरिक्त संपर्क और नेटवर्क प्रदान किए जाते हैं ताकि उनका रोजगार बाजार में बने रहना सुनिश्चित किया जा सके.

स्टेप एकेडमी आवासीय प्रशिक्षण के लिए प्रति प्रशिक्षार्थी प्रति माह करीब पांच हजार रुपये खर्च करती है. यह राशि प्रशिक्षार्थियों द्वारा स्वयं अपने पर खर्च की जाने वाली राशि से कहीं अधिक है. आदर्श स्थिति में प्रशिक्षार्थी को एक दो महीने के भीतर अपने पर खर्च की गई राशि अर्जित करने और उसके बाद सीखे गए कौशल की बदौलत बेहतर जीविका कमाने में सक्षम होना चाहिए. संस्थागत स्तर पर आजीविका ब्यूरो की स्टेप अकादमी का यह मानना है कि कम आय वाले ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण को राजस्व आधारित मॉडल बनाना संभव नहीं है और इसके लिए लंबे समय तक सब्सिडी आवश्यक होगी.

(लेखक स्टेप एकेडमी, उदयपुर से सम्बद्ध हैं.)
ई-मेल: rajiv@aajeevika.org)